संसाधनों का वर्गीकरण

I. उपयोग की सततता के आधार पर वर्गीकरण :-

1. नवीनीकरण या नव्यकरण संसाधन
2. अनवीनीकरण संसाधन
3. चक्रीय संसाधन

II. उत्पत्ति के आधार पर वर्गीकरण:-

1. जैविक संसाधन
2. अजैविक संसाधन

III. उद्देश्य पर आधारित वर्गीकरण:-

1. ऊर्जा या शक्ति संसाधन
2. कच्चा माल
3. खाद्य सामग्री या पदार्थ

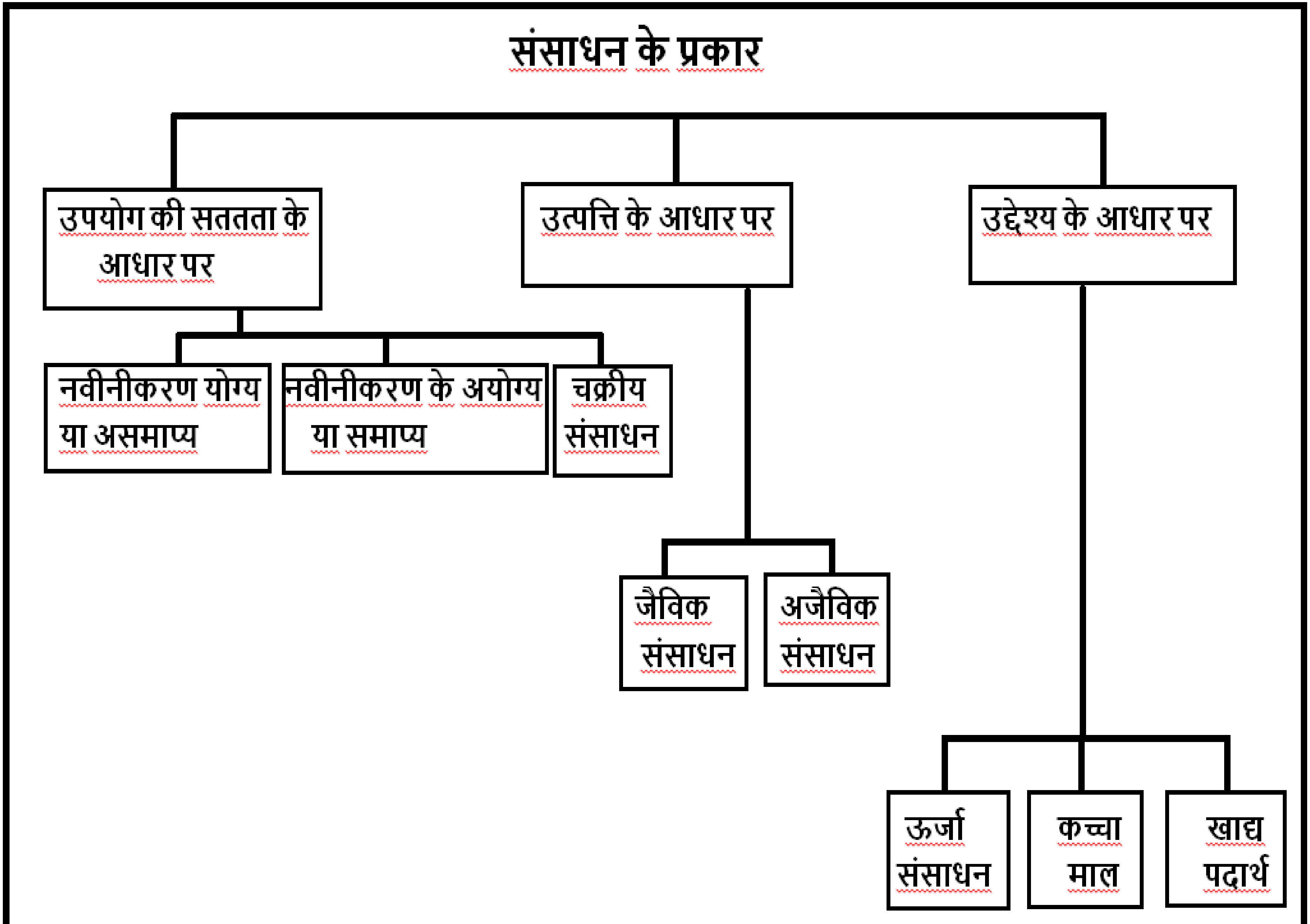

संसाधन के प्रकार
उपयोग की सततता के आधार पर
उत्पत्ति के आधार पर
उद्देश्य के आधार पर
नवीनीकरण योग्य या असमाप्य
नवीनीकरण के अयोग्य या समाप्य
चक्रीय संसाधन
जैविक संसाधन
अजैविक संसाधन
ऊर्जा संसाधन
कच्चा माल
खाद्य पदार्थ

संसाधनों का वर्गीकरण चार प्रकार से किया जा सकता है:-

A. **स्वामित्व की दृष्टि से:**

1. **व्यक्तिगत संसाधन** - **व्यक्ति या परिवार की संपत्ति भूमि ,भवन ,नकद राशि ,व्यक्तिगत मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य इत्यादि।**

2. **राष्ट्रीय संसाधन** -**राष्ट्र के समस्त नागरिकों की संपत्ति उत्तम सरकार सैन्य शक्ति अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं संबंध उत्तम चरित्र के देशभक्त नागरिक इत्यादि।**

3. **अंतर्राष्ट्रीय संसाधन**- **संपूर्ण संसार के भौतिक और अभौतिक वस्तुएं।**

B. पुनः पूर्ति की दृष्टि से:

1. पुनः पूर्ति योग्य संसाधन - जिनको प्रयोग करते हुए उनके गुणों को कायम रखा जा सके या गुणों में वृद्धि की जा सकती है जैसे कि खाद्य एवं उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखे जा सकता है, वृक्षारोपण इत्यादि।

2. पुनः आपूर्ति वाले संसाधन-वे संसाधन जिन का एक बार प्रयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं जैसे कि खनिज संसाधन।

3. बारंबार प्रयोग वाले संसाधन - मैं संसाधन जिनको बार-बार में प्रयोग किया जा सकता है जैसे कि धात्विक खनिज।

4.सनातन प्राकृतिक संसाधन- ऐसे संसाधन जिनका विनाश नहीं किया जा सकता जैसे कि सूर्य का प्रकाश ,महासागर का जल, विस्तृत भू-भाग इत्यादि।

C. वितरण की दृष्टि से:

1. सर्वगत या सर्व -सुलभ संसाधन- संसाधन जो सर्वत्र उपलब्ध होते हैं, जैसे वायुमंडलीय गैसे, जलवायु इत्यादि।

2. सामान्य सुलभ संसाधन - ऐसे संसाधन जो सामान्यतया उपलब्ध हो जाते हैं, जैसे कृषि योग्य भूमि ,महासागरीय अथवा नदी का जल इत्यादि।

3.विरल संसाधन - ऐसे संसाधन जो पृथ्वी पर कुछ स्थानों पर ही उपलब्ध होते हैं ,जैसे अमूल्य खनिज -संसाधन, उपजाऊ कृषि भूमि इत्यादि।

4.एकल संसाधन- ऐसे संसाधन जो पृथ्वी पर केवल एक या दो स्थानों पर ही पाए जाते हैं, जैसे क्रायो- लाइट धातु प्राकृतिक रूप से सिर्फ ग्रीनलैंड पर ही पाई जाती है।

D. प्रयोग की दृष्टि से :

1. **अप्रयुक्त संसाधन-** ऐसे संसाधन जिनका अभी तक प्रयोग नहीं हो पाया है।

2. **अप्रयोजन संसाधन -** ऐसे संसाधन जिनका प्रयोग वर्तमान तकनीक के आधार पर नहीं किया जा सकता है।

3. **विभव या संभाव्य संसाधन -** ऐसे संसाधन जिनका निकट भविष्य में प्रयोग संभव है।

4. **अज्ञात या गुप्त संसाधन-** ऐसे संसाधन जिनका संपूर्ण प्रयोग मानव को वर्तमान में पता नहीं है।

- ओवेन ने प्राकृतिक संसाधनों का पारिस्थितिक संदर्भ में वर्गीकरण एवं विश्लेषण करते हुए संसाधनों को दो प्रमुख वर्गों में रखा है :

    1. अक्षयशील संसाधन

    2. क्षयशील संसाधन

- उनका वर्गीकरण संसाधनों की गुणवत्ता ,परिवर्तनशील ता तथा पुनः प्रयोग पर आधारित है।

धन्यवाद